ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-05-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-05-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-05-07	2022-05-08	2022-05-09	2022-05-10	2022-05-11
वर्षा (मिमी)	2.0	0.0	0.0	0.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	27.0	28.0	28.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	13.0	13.0	14.0	14.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	65	60	60	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	50	50	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	120	120	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	0	0	2	4

मौसम सारांश / चेतावनी:

आज कहीं-कहीं बूंदा-बांदी तथा 10 मई को हल्की वर्षा हो सकती है तथा शेष दिन मौसम साफ रहेगा।अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 25.0 से 29.0 व 12.0 से 14.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 11 से 17 मई के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः सामान्य से अधिक व सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| रबी फसल की कटाई के बाद खाल खेतो की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दे जिससे सूर्य की तेज धूप से गर्मी होने के कारण इसमे छिपे कीटों के अंडे तथा घास के बीज नष्ट हो जाएगे । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.15-0.4 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों से नैनीताल जिले में अत्यधिक सूखे की स्थिति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आज कहीं-कहीं बूंदा-बांदी तथा 10 मई को हल्की वर्षा हो सकती है |

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम उँचे क्षेत्रों में सिंचित दशा में रोपाई हेतु धान की नर्सरी माह के प्रथम पखवाड़े में रखे।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	फसल की बुवाई माह के प्रथम पखवाड़े में करें तथा कम समय में तैयार होने वाली उन्नत प्रजातियों को बोंयें।
डाइन्चा	अगर सिंचाई की सुविधा है तो गेंहूँ एवं अन्य रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत में हरी खाद हेतू ढैंचा तथा सनई की बुवाई करें।
भिण्डी	भिण्डी की फसल में पत्तियों की नसे यदि पीली पड़ रही हो तो ऐसे पौधो को निकालकर नष्ट कर दे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण के लिए किसी सर्वांगी कीटनाशी का छिड़काव करें। छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
राजमा/ लोबिया	लोबिया मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिंचाई करे।
सेम की फली	फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर जड़ो की सिंचाई करे।
टमाटर	पर्वतीय क्षेत्रों में यदि टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च की पौध का प्रतिरोपण 1 माह पूर्व हो गया हो तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें साथ ही साथ नमी संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करें।
आम	आम के बाग में डांसी मक्खी के लिए काष्ठ निर्मित यौन गंध ट्रैप को पेड़ पर लगाना चाहिए (10 ट्रैप/हे0)। यौन गंध ट्रैप को दो माह में बदल देना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॉन अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव समय समय पर कराते रहे। इस गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें। पीने के पात्र को साफ रखना चाहिए और दिन के समय पशुओ को कम से कम चार बार पानी जरूय पिलाये। पशुओं में मेस्टाईटिस के लक्षण दिखाई देने पर इसका तुरंत इलाज करें

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	मई माह मे खेत की मेड़ बन्दी कर जुताई कर के छोड़ दे। ग्रीष्मकालीन जुताई से खेत के कीटो एवं बीमारियो के लारवा एवं खरपतवार आदि के बीज नष्ट हो जाते है मेड़ बन्दी से वर्षा जल खेत में ही रहेगा तथा जल बहाव के साथ मिट्टी बहकर बाहर नही जाएगी। रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत से इस मई माह में मृदा नमूना खेत से 10-15 विभिन्न स्थानो से लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी तक की गहराई से लेना चाहिए।